व्याकरण ज्ञान 8

1. भाषा और व्याकरण

अपने दैनिक जीवन में हम अपने विचार भिन्न-भिन्न माध्यमों से एक-दूसरे तक पहुँचाते हैं। भावों-विचारों का यही आदान-प्रदान भाषा कहलाता है। 'भाषा' शब्द की उत्पत्ति संस्कृत की 'भाष्' धातु से हुई है जिसका अर्थ है स्पष्ट रूप से भाव बताना। भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है।

शिक्षण-संकेत

- छात्रों से भाषा के बारे में पूछें।
- समझाएँ, मुख से उच्चरित सार्थक ध्वनियों की व्यवस्था जिसके द्वारा हम अपनी बात का आदान-प्रदान करते हैं, भाषा कहलाती है।
- पूछें, क्या वे हिंदी-अंग्रेज़ी के अलावा और कोई भाषा बोलना जानते हैं।
- भाषा के रूपों के बारे में बताते हुए छात्रों से मौखिक तथा लिखित भाषा रूप के उदाहरण बताने को कहें।
- समझाएँ, लिपि किसे कहते हैं। कुछ प्रमुख लिपियों के बारे में बताएँ।
- छात्र घर में किस बोली में बातचीत करते हैं, हिंदी, बांग्ला या अन्य, जानें। बोली कैसे उपभाषा बन जाती है, समझाएँ।
- हिंदी की उपभाषा के अंतर्गत आने वाली बोलियों से अवगत कराएँ। बताएँ, ये बोलियाँ क्षेत्र विशेष में बोली जाती हैं। पृष्ठ 6 पर दी गई बोलियाँ पढ़वाएँ।
- सुनिश्चित करें कि छात्र पाठ में ध्यान दे रहे हैं।
- व्याकरण क्या होता है तथा इसका प्रयोग क्यों आवश्यक है, समझाएँ।
- व्याकरण तथा इसकी आवश्यकता के संबंध में छात्रों से पूछें तथा फिर उन्हें समझाएँ।
- व्याकरण के भागों से अवगत कराते हुए इन पर चर्चा करें।
- बताएँ, 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया था इसलिए प्रतिवर्ष इसी दिन हिंदी दिवस मनाया जाता है। बताएँ, हिंदी किन-किन प्रदेशों में बोली जाती है।
- राजभाषा, कार्यालयी या संपर्क भाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग के बारे में जानकारी दें।
- मौखिक प्रश्नों के उत्तर छात्रों से पूछें।